Postal Regd. No. :
HP/115/SML/2020-22
< Postage Prepaid >

www.bakhabarconnect.com

शिमला | मंगलवार | 17 - 23 अगस्त 2022

• वर्ष 8 • अंक 52 • पृष्ठ 4 • साप्ताहिक • मूल्य 1/-
आर.एन.आई. नं. एचपीएमयूएल / 2014/58822

] विचार »

न्याय हमेशा समानता के विचार को पैदा करता है।

- डॉ. भीमराव अम्बेदकर

बाख़बर कनेक्ट

@bakhabarconnect

कार्रवाई, सरगोशी से शाया होने तक

विकास की पर्याय हैं भाजपा की सरकारें

पूर्व विद्यार्थी, नए विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है : जगत प्रकाश नड्डा

देवेन्द्र कश्यप
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

सांसद एवं भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के परिसर में आयोजित पूर्व विद्यार्थी वृहद समागम-2022 को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी संस्थान के पूर्व विद्यार्थी नए विद्यार्थियों के लिए प्रेरणा स्रोत होते हैं क्योंकि उनकी उपलब्धियां विद्यार्थियों के लिए अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत करती हैं। जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि पूर्व विद्यार्थी वृहद समागम पूर्व विद्यार्थियों के मातृ संस्थानों के साथ सम्बन्ध को प्रगाढ़ करने का एक असाधारण अवसर है जिसमें पूर्व विद्यार्थियों को अपने अनुभव और उपलब्धियों को साझा करने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के विद्यार्थी के रूप में जुड़ी उनकी कई अविस्मरणीय स्मृतियां हैं। उन्होंने कहा कि 11 विभागों के साथ शुरू हुए इस विश्वविद्यालय में आज 44 विभाग हैं। उन्होंने कहा कि 245 बीघा से अधिक परिसर वाले इस विश्वविद्यालय को आज देश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में जाना जाता है। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए गौरव का विषय है कि वे इस विश्वविद्यालय के 53 वर्षों के गौरवशाली इतिहास का हिस्सा रहे

शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री के पांच संकल्पों से राष्ट्र निर्माण

राज्यपाल ने किया नूरपुर के जन्माष्टमी महोत्सव का शुभारंभ

प्रदेश सरकार ने बागवानों के हितों को दी प्राथमिकता : जय राम ठाकुर

निशा देवी
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों और बागवानों की हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में किसानों को विपणन, शीत भण्डार और सीए स्टोर जैसी अनेक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ओक ओवर में चेतन बरागटा के नेतृत्व में आए जुब्बल-नावर-कोटखाई के भाजपा कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमण्डल को सम्बोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार ने बागवानों को एक अप्रैल, 2022 से एचपीएमसी या खुले बाजार के माध्यम से खरीदे गए कार्टन और ट्रे की खरीद पर छह प्रतिशत उपदान प्रदान करने का निर्णय लिया है।

प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना से 5600 मकान

राज्यपाल ने उच्च न्यायालय के नवनियुक्त न्यायाधीशों को दिलाई शपथ

शिमला : राज्यपाल राजेन्द्र विश्वनाथ आर्लेकर ने राजभवन में हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के दो नवनियुक्त न्यायाधीशों सुशील कुकरेजा और वीरेंद्र सिंह को एक सादे एवं गरिमामयी समारोह में शपथ दिलाई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर और हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अमजद एहतेशाम सईद भी उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण समारोह राजभवन के दरबार हॉल में आयोजित किया गया। हिमाचल प्रदेश के मुख्य सचिव आर.डी. धीमान ने शपथ समारोह की कार्यवाही का संचालन किया और नवनियुक्त न्यायाधीश सुशील कुकरेजा और वीरेंद्र सिंह की नियुक्ति के संबंध में राष्ट्रपति द्वारा जारी नियुक्ति वारंट पढ़ा। राज्यपाल के सचिव राजेश शर्मा ने शपथ पत्र पर राज्यपाल और नवनियुक्त न्यायाधीशों के हस्ताक्षर प्राप्त किए।

राजीव गांधी ने अहिंसा से भारतवासियों को एक सूत्र में बांधा : सुरेश भारद्वाज

देवेन्द्र कश्यप
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने तथा आतंकवाद और अलगाववाद के विरुद्ध देश को एक सूत्र में बांधने में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी का योगदान सदैव याद रहेगा। यह विचार शहरी विकास, आवास नगर नियोजन, संसदीय कार्य विधि एवं सहकारिता मंत्री विधि सुरेश भारद्वाज ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की जयंती के अवसर पर राजीव चौक छोटा शिमला में उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करने के उपरांत अपने संबोधन में व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने जाति, संप्रदाय, धर्म भाषा के भेदभाव के बिना संवैधानिक रास्तों का प्रयोग करते हुए हिंसा का सहारा लिए बिना भारतवासियों को एक सूत्र में बांधा। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी ने आतंकवाद व

शेष पृष्ठ दो पर

गृहिणी सुविधा योजना से 3.34 लाख परिवार लाभान्वित

एसजेवीएन निदेशक कार्मिक गीता कपूर को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की मेगा एलुमनी मीट के दौरान सम्मानित किया गया

बाख़बर न्यूज
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

एसजेवीएन निदेशक (कार्मिक) गीता कपूर को हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय एलुमनी एसोसिएशन की भव्य मेगा एलुमनी मीट के दौरान सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सदस्य जे.पी. नड्डा उपस्थित थे। इस समारोह की अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने की। कार्यक्रम के दौरान कपूर के साथ विश्वविद्यालय के अन्य प्रतिष्ठित और विख्यात पूर्व छात्रों को सम्मानित किया गया। इन प्रतिष्ठित और विख्यात पूर्व छात्रों का अभिनंदन इस बात का प्रमाण है कि उन्होंने अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में अपनी पहचान बनाई है तथा विश्वविद्यालय को उन पर गर्व है।

गीता कपूर ने हि. प्र. विश्वविद्यालय बिजनेस स्कूल से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर्स डिग्री की है। कपूर ने 1986 में पंजाब वायरलेस सिस्टम्स, मोहाली के साथ अपने कैरियर का आरंभ किया है और कपूर वर्ष 1992 में

शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेसी नहीं कह सकते कि उन्होंने जनता के लिए काम किए!

रामपुर एचपीएस ने पाली गांव में स्वरोजगार संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम का किया शुभारंभ

बाख़बर न्यूज
बायल . बाख़बर कनेक्ट

रामपुर एचपीएस द्वारा एसजेवीएन फांउडेशन के सौजन्य से परियोजना प्रभावित पंचायतों में स्थानीय लोगों, विशेषकर महिलाओं को स्वरोजगार के क्षेत्र में नए अवसर प्रदान करने के लिए बाड़ी पंचायत के पाली गांव में कटिंग एवं टेलरिंग संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कौशल

शेष पृष्ठ दो पर

. बाख़बर कनेक्ट .

[सम्पादकीय]

बढ़ते कारखाने और खेती के लिए कम होती जमीन

हम भारतवासियों अपनी धरती को मां मानते है। भारत की तीन चौथाई आबादी सीधे तौर पर खेती पर निर्भर है। किसी भी देश का विकास इस बात से जुड़ा होता है कि उसने अपनी भू सम्पदा का उपयोग किस प्रकार किया है। आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए भूमि की आवश्यकता होती है। देश में बढ़ती आबादी के लिए सरकार द्वारा अधिक रोजगार मुहैया करवाये जा रहे हैं। उनके रहने के लिए अधिक मकान उपलब्ध करवाये जा रहे हैं। उनकी रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने के लिए तरह तरह के उद्योग धन्धे लगाये गये हैं। देश की तरक्की के लिए बड़े बड़े उद्योग विकसित किये जा रहे हैं।

बढ़ती आबादी और लगातार लगने वाले छोटे बड़े कारखानों के कारण गांवों में खेती के लिए जमीन कम होने लगी है। लोग रोजी रोटी की तलाश में शहरों की ओर आ रहे हैं। इससे शहरों की आबादी लगातार बढ़ रही है। यह अंदाजा लगाया गया है कि आने वाले 20 सालों में देश की आधी आबादी शहरों पर रहने लगेगी। इन सब कामों के लिए सरकार को भूमि का अधिग्रहण करना पड़ता है। आवास बनाने वाली कम्पनियां और बड़े बड़े कारखाने लगाने वालों को भी जमीन की जरूरत होती है। वे अपनी जरूरत के लिए किसानों से सीधे जमीन खरीद लेते हैं।

कानून में इस बात का ध्यान रखा गया है कि जिन अनुसूचित जाति और जनजाति और वनवासी लोगों को प्रभावित इलाकों की नदियों, तालाबों और बांधों में मछली पकड़ने का हक मिला हुआ था उन्हें सिंचाई और पन बिजली परियोजना के जलाशय वाले इलाके में मछली पकड़ने का हक दिया जायेगा। ऐसे ही दूसरी सब बातों के लिए भी समय सीमा निश्चित कर दी गई है। प्रभावित लोगों के हकों का पूरा फैसला होने के बाद ही जमीन का अधिग्रहण किया जा सकेगा। यह अधिग्रहण भी उस इलाके का कलेक्टर ही कर सकेगा। आदिवासी इलाकों में ग्राम सभा की सहमति के बिना अधिग्रहण नहीं किया जा सकेगा। इसके लिए अलग अलग योजनाओं के अनुसार हटाये जाने वाले लोगों को और भी अनेक सुविधायें देने का प्रावधान उनके कानूनी हक के तौर पर किया गया है। कानून में यह भी सुनिश्चित किया गया है कि मुआवजा रकम पर किसी प्रकार का आयकर और स्टैम्प शुल्क भी नहीं देना पड़ेगा। इस अधिनियम के द्वारा सरकार ने एक ऐसा कदम उठाया है जिसके दूरगामी परिणाम होंगे।

डॉ. केनिथ रोसले ने अनेक सूक्ष्म प्रयोगों के बाद बताया कि मनुष्य के कोशों (सेल्स) को नितान्त स्वस्थ रखना सम्भव हो, उनमें किसी प्रकार की गड़बड़ी न आये तो गुर्दे 200 वर्ष, हृदय 300 वर्ष तक जीवित रखे जा सकते हैं। इसके बाद उन्हें बदला भी जा सकता है। हृदय प्रतिरोपण के कई प्रयोग तो बहुत ही अधिक सफल हुए हैं। इसके अतिरिक्त चमड़ी, फेफड़े और हड्डियों को तो क्रमशः 1000, 1500 और 4000 वर्षों तक भी जीवित रखा जा सकता है।

योग साधनाओं से शारीरिक लाभ

राजकुमारी सुकन्या को अपनी भूल का पता तब चला जब महर्षि च्यवन की आँख फूट गई। राजकुमारी ने अनजान में ही यह अपराध हो गया था, पर अपराध तो अपराध ही था। पिता ने बहुत समझाया कि ऐसे वृद्ध और अन्धे व्यक्ति से विवाह कर तू अपना जीवन क्यों बरबाद कर रही है। पर सुकन्या ने कहा-महाराज। जिस दिन अपनी विशिष्टता के दाब में समाज के शीर्षस्थ लोग दण्ड से बचने का प्रयत्न करने लगेंगे, उस दिन यह धरती नरक बन जायेगी। हमारा सम्बन्ध राज घराने से है तो क्या हुआ, न्याय ईश्वर की साक्षी में होता है, इसलिये उसमें न कोई छोटा है न कोई बड़ा।

सुकन्या ने दण्ड मानकर विवाह किया था, पीछे वह बन्धन कर्तव्य में परिवर्तित हो गया। उन्होंने अश्विनीकुमारों की मदद ली और न केवल अपने पति के जराजीर्ण शरीर को स्वस्थ एवं बलिष्ठ बना लिया वरन् च्यवन को वह विद्या भी सिखाई, जिससे वृद्ध शरीरों को फिर से नया किया जा सके।

हमारे पौराणिक ग्रन्थों में जहाँ दस-दस हजार वर्षों की अवस्थाओं के वर्णन आते हैं। वहाँ ऐसे दृष्टान्तों की भी कमी नहीं, जबकि कई लोगों ने अपनी वृद्धावस्था को कई बार युवावस्था में बदला। ययाति ने भी च्यवन की ही भाँति अपने शरीर को बदला था। यह विद्या हमारे औषधि ग्रन्थों और आयुर्वेद में है। महामना मदनमोहन मानवीय ने भी कुछ दिन कायाकल्प का अभ्यास किया था। कई कठिनाइयों से वह प्रयोग अधूरा ही रहा, पर उन्होंने अभ्यास के दिनों में अपने शरीर में कई असाधारण परिवर्तन अनुभव किये थे।

वैसे ऐसे पौराणिक आख्यानों को पहले भी बोगस किया जा रहा है। यह पंक्तियाँ पढ़ने तक हमारे पाठक भी अविश्वस्त हो चुके होंगे और यह सोच रहे होंगे कि ऐसा भी कहीं सम्भव है कि कोई वृद्ध अपना शरीर बदल कर युवक हो सकता है? यदि आप विश्वास न करें, न सही पर वैज्ञानिक यह मानने लगे हैं। वैज्ञानिकों का कथन है कि मनुष्य का शरीर जिन छोटे-छोटे परमाणुओं-कोशिकाओं (सेल्स) से बना है, वह टूटती रहती हैं और नये स्थान कोशों का निर्माण करती रहती हैं। जैसे सर्प की त्वचा के कोश कुछ दिन में अलग होकर झिल्ली (केंचुल) के रूप में अलग हो जाते हैं, मनुष्य की त्वचा के कोश भी 5 दिन में नये बदल जाते हैं। 80 दिन में सारे शरीर की प्रोटीन बिलकुल नई हो जाती है, पुरानी का पता नहीं चलता कि सड़-गलकर कहाँ चली गई।

डॉ. केनिथ रोसले ने अनेक सूक्ष्म प्रयोगों के बाद बताया कि मनुष्य के कोशों (सेल्स) को नितान्त स्वस्थ रखना सम्भव हो, उनमें किसी प्रकार की गड़बड़ी न आये तो गुर्दे 200 वर्ष, हृदय 300 वर्ष तक जीवित रखे जा सकते हैं। इसके बाद उन्हें बदला भी जा सकता है।

हृदय प्रतिरोपण के कई प्रयोग तो बहुत ही अधिक सफल हुए हैं। इसके अतिरिक्त चमड़ी, फेफड़े और हड्डियों को तो क्रमशः 1000, 1500 और 4000 वर्षों तक भी जीवित रखा जा सकता है। इन्हें भी बदलने में वैज्ञानिकों को सफलता मिल गई है और यदि कोशों के सम्बन्ध में आगे और भी जानकारियाँ ऐसे ही मिलती गई तो वह दिन दूर नहीं जब वृद्ध च्यवन को युवक च्यवन में बदलने का रहस्य हाथ में आ जायेगा। मुख्य कठिनाई 'नाड़ी-कोशिकाओं' की है। और सब कोश तो बदलते हैं पर वह कोश जो नाड़ियाँ बनाते हैं, अब तक कभी न बदलते हैं न पुराने से नये होते हैं। यह कोश बड़े विचित्र होते हैं, इनकी लम्बाई 3 फीट तक होती है, मुँह मोटा और पूँछ साँप की तरह क्रमशः पतली होती चली जाती है।

इड़ा, पिंगला, सुषुम्ना, बज्रा, चित्रणी, ब्रह्मनाड़ी, अलम्बुसा, कुहू, गान्धारी जैसी सूक्ष्म नाड़ियों के साथ उपनिषद् व योग ग्रन्थों में 72 हजार नाड़ियों का विवरण मिलता है। आज का उपलब्ध शरीर रचना विज्ञान (एनाटॉमी) योगशालाओं में वर्णित रचनाओं से इतना मिलता-जुलता है कि ऋषियों की आधुनिकतम जानकारियों के लिये दाँतों तले उँगली दबानी पड़ जाती है। यह जानकारियाँ इस बात की प्रमाण हैं कि पुराणों में प्रतिपादित यह विषय और दृष्टान्त केवल मनोरंजन के लिये नहीं लिखे गये, वरन् वैसा निश्चित रूप से था भी। प्राणायाम और एक ही प्रकार के भोजन के दीर्घकालीन अभ्यास (कल्प) चिकित्सा से शरीरस्थ कोशों को आमूलचूल शुद्ध करने का लाभ तो अभी भी हमारे यहाँ हजारों लोग लेते रहते हैं। यदि अध्यात्म के इस शरीर-रचना विज्ञान से विज्ञान की उपलब्धियाँ से खाँचा बैठाया जा सके, तो इस दिशा में तेजी से प्रगति की जा सकती है।

शरीर के कोशों के पुराने से नये बनने और प्रत्येक कोश की अलग-अलग जीवन-अवधि की जाँच का श्रेय स्व. डॉ. एलेक्सिस कैरल को है। आपने रॉकफेलर इन्स्टीट्यूट में इस पर अनेक प्रयोग किये और सन् 1912 में उक्त निष्कर्षों का विवरण देते हुए बताया कि रोग परमात्मा की दी हुई वस्तु नहीं है। यह तो शारीरिक तत्वों की अस्त-व्यस्तता का परिणाम है। अभक्ष्य पदार्थों के भक्षण, धूम्रपान, सुरापान आदि के द्वारा, अधिक भोजन, जल कम पीना, बासी और गरिष्ठ भोजन लेने से ही इस तरह की गड़बड़ होती और रोग के कीटाणुओं को प्रवेश मिलता है।

न्यूयार्क यूनीवर्सिटी के डॉ. मिलन कोपेक सूक्ष्मदर्शियों की मदद से यह जानने के प्रयत्न में हैं कि कोश की मूलभूत रचना के तत्वों और क्रम का पता लगाया जाये। जिस दिन वह पता चल गया तो कोशों का शुद्धीकरण और रोगों से बचना तथा कोषों का आमूल-चूल परिवर्तन कर दीर्घायुष्य प्राप्त करना बहुत आसान हो जायेगा। अल्ट्रावायलेट किरणों आदि के प्रयोग के शिकागो विश्वविद्यालय के डॉ. रेमण्ड जर्किल तथा डॉ. राबर्ट उरेज ने उस सिद्धान्त की भी पुष्टि कर दी है कि प्रकाश-शक्तियों के अवतरण द्वारा भी शरीर को नितान्त शुद्ध और रोगमुक्त बनाया जा सकता है।

भारतीय योग शास्त्रों में शरीरस्थ नाड़ियों में सूक्ष्म प्राण-विद्युत या प्रकाश अणुओं की उपस्थिति के उल्लेख मिलते हैं। साधना-उपनिषदों में इन प्रकाश के नियन्त्रण और लाभ लेने की उन योग-साधनाओं का भी वर्णन है जिनसे इन प्रकाश-अणुओं द्वारा स्थूल अणुओं को न केवल जराजीर्ण होने से रोका जा सके वरन् उनको आमूल-चूल परिवर्तित भी किया जा सके।

योग साधनाओं के द्वारा शारीरिक लाभ तो अभी भी सैकड़ों लोग ले रहे हैं पर इस दिशा में प्रगति और अगली शोधें चलती रहें तो विज्ञान एक दिन वृद्ध शरीर को पुनः छोटे से बच्चे के शरीर में बदलने की सम्भावना को सत्य कर दिखा सकता है पर इसके लिये भारतीय योग साधना विज्ञान का आश्रय और सहयोग लेना नितान्त आवश्यक होगा।

॥ प्रथम पृष्ठ के शेष >

पूर्व विद्यार्थी, ...

हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने अध्यापकों और सह-विद्यार्थियों को याद करते हुए विश्वविद्यालय से जुड़े अपने अनुभवों और स्मृतियों को साझा किया। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के मंच से अपने अनुभव व्यक्त करना एक कठिन कार्य है। यह विश्वविद्यालय प्रदेश की राजनीति का केंद्र रहा है।

राजीव गांधी ...

अलगाववाद के विरुद्ध अपना बलिदान दिया आज पूरा विश्व तथा देश उनके द्वारा छोटी उम्र में दिए गए दिए गए बलिदान को हमेशा स्मरण करता रहेगा। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय राजीव गांधी का जन्म दिवस सद्भावना दिवस के रूप में मनाया जाता है पूरा देश उनके द्वारा सुझाए गए रास्ते व एकता के सूत्र को अपनाते हुए संवैधानिक मार्ग पर चलकर बनाकर आगे बढ़ता रहेगा।

एसजेवीएन ...

एसजेवीएन मानव संसाधन टीम में पहली महिला अधिकारी के रूप में शामिल हुईं। उन्हें कोर मानव संसाधन के कार्यों में तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। उन्होंने एसजेवीएन में कई नीतिगत पहलों का नेतृत्व किया है जो एसजेवीएन की मजबूत मानव संसाधन संस्कृति से प्रदर्शित होता है। कपूर ने कार्य को अपना जुनून माना है और हमेशा समाज के लिए अधिक से अधिक योगदान देने के लिए तत्पर रहती हैं।

रामपुर एचपीएस ...

विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत चार महीने तक चलने वाले इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ बलजीत सिंह, वरिष्ठ अपर महाप्रबंधक, सीएसआर एवं मानव संसाधन ने किया।

उन्होंने कहा कि एसजेवीएन की सीएसआर नीति के तहत इन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन का उद्देश्य परियोजना क्षेत्र में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और स्वरोजगार के नए अवसर देकर लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त करना है।

भारी बारिश से प्रभावित क्षेत्रों में तत्काल राहत एवं बचाव कार्य सुनिश्चित करें : मुख्यमंत्री

बाख़बर न्यूज
सराहां . बाख़बर कनेक्ट

मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर ने सिरमौर जिले के सराहां से विभिन्न जिलों के उपायुक्तों के साथ प्रदेश में भारी बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति की समीक्षा के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्हें तत्काल राहत और बचाव अभियान सुनिश्चित करने के साथ-साथ महत्वपूर्ण स्थानों पर पर्याप्त संख्या में बचाव दल और मशीनरी तैनात करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सेब उत्पादक क्षेत्रों और अस्पतालों की ओर जाने वाली प्रमुख सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर बहाल किया जाए। उन्होंने कहा कि पर्यटकों को किसी भी अप्रिय

घटना से बचने के लिए फिसलन वाले स्थानों और नदी तटों से दूर रहने का परामर्श दिया जाए। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार से राहत और पुनर्वास कार्यों के लिए अतिरिक्त केंद्रीय दल भेजने का अनुरोध किया जाएगा।

जय राम ठाकुर ने कहा कि राज्य में अब तक पिछले 24 घंटों के दौरान 20 मौतें हुई हैं। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को प्रभावी बचाव कार्यों के लिए उचित समन्वय बनाए रखने के निर्देश भी दिए। उन्होंने उपायुक्तों को अपने-अपने जिलों में आवश्यकतानुसार स्कूल बंद करने के संबंध में निर्णय लेने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने भूस्खलन और बाढ़ के कारण हुई मौतों पर दुख व्यक्त करते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करने और शोक संतप्त परिवारों को अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति देने की प्रार्थना की। इस अवसर पर मुख्य सचिव आर.डी. धीमान ने आश्वस्त किया कि क्षतिग्रस्त सड़कों और सभी आवश्यक सेवाओं को बहाल करने के लिए समयबद्ध हर संभव व्यवस्था पूर्ण की जाएगी।

दिव्यांगों की मदद के लिए आगे आया रोटरी सोलन

बाख़बर न्यूज
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

दिव्यांग लोग अपना सामान्य जीवन जी सके, इसके लिए रोटरी क्लब सोलन आगे आया है। क्लब ने एक प्रोजेक्ट शुरू किया है जिसके तहत दिव्यांग लोगों को कृत्रिम अंग लगाए जा रहे हैं। अभी तक क्लब दो लोगों को ऐसे अंग लगा चुका है। क्लब यह काम सिर्फ दिव्यांग लोगों की मदद के लिए कर रहा है। यह काम पूरी तरह से निशुल्क किया जा रहा है। रोटरी सोलन के प्रधान अनिल चौहान का यह ड्रीम प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा कि मानवता की सेवा के लिए इस प्रोजेक्ट को प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम अंग लगने के बाद इन दोनों व्यक्तियों का जीवन संवर जाएगा और दोनों व्यक्ति कृत्रिम अंगों की सहायता से अब अपना काम आसानी से अपने परिवारों का पोषण कर सकेंगे।

State government ensuring Food security and quality food grains to all

Food security to all and Fair Average Quality grains to the people must be the primary aim of every welfare state. Many schemes have been started by the state government to achieve this. Foodgrains at subsidized rates are being provided to more than 74 lac people of the state. Since the Corona outbreak, free ration under PM Garib Kalyan Ann Yojna (PMGKAY) is also being provided by the double engine government to 30.27 lakh beneficiaries of the State identified under National Food Security Act-2013 (NFSA).

The State Government is effectively implementing the Targeted Public Distribution System (TPDS) in the state. Foodgrains are being provided at subsidized rates to about 74.50 lakh population of total 19,62,465 ration card holders of the state through 120 storage centers and 5096 fair price shops (FPS). Of these ration card holders, 7,48,619 card holders are covered under NFSA, while 12,13,846 card holders are included under other schemes. Under centrally sponsored PMGKAY, 5 kg food grains per person per month is also being provided free of cost to all the eligible 30.27 lakh beneficiaries covered under the NFSA in the state.

With the philanthropist approach of Chief Minister Jai Ram Thakur and aim to provide food security to every person, effective implementation of the NFSA has been ensured in the state. Antyodaya Anna Yojana (AAY) and Priority Households (PHH) have been covered under NFSA. So far, 30.27 lakh populations have been brought under NFSA in the state against the targeted 36.82 lakh population set by the Central Government. The GOI is allocating 16857.470 MT food grains i.e. 9900.613 MT of wheat and 6956.857 MT of rice under NFSA to the state.

All the eligible beneficiaries of NFSA in the state are being benefitted under the PMGKAY also by providing those 5 kg foodgrains per person per month free of cost. Under this scheme, the foodgrains of about Rs 366.50 crore have been allocated by the GOI to the state for the year 2020-21. For the benefit of the poor families this scheme has again been started from May, 2021 upto March, 2022 and now has been extended upto September, 2022.

Under this, the GOI has allocated the food grains of about Rs. 435.11 crore to the state for the year 2021-22. A total of 65018.855 MT of rice and Rs. 92526.225 MT wheat has been allocated by GOI free of cost for eleven months (May, 2021 to March, 2022). Further, the Central government has allocated 35464.830 MT Rice and 50468.850 MT Wheat free of cost for six months (till September 2022) to all the beneficiaries of the State. The poorest of the poor families out of the BPL list have been identified and placed under the AAY and being provided 35 kg of food grains per family per month as per GOI norms consisting of 20 kg wheat at the rate of Rs 2 per kg or 18.800 kg wheat flour at Rs 3.20 per kg and 15 kg rice at Rs 3 per kg. Whereas every beneficiary belonging to PHH is entitled to receive 5 kg of food grains at subsidized rates per person per month, including 3 kg wheat at Rs 2 per kg or 2.800 kg wheat flour at Rs 3.20 per kg and 2 kg rice at Rs 3 per kg.

Under the able leadership of Chief Minister Jai Ram Thakur priority is being given by the state government to ensure welfare of every section of the society, resulting 12,13, 846 APL families of above poverty line in the state also getting ration at concessional rates. 19.5 kg of food grains per month (14 kg of Wheat flour and 5.500 kg of Rice) being provided to the APL families at subsidized rates i.e. wheat flour at Rs. 9.30 per kg and rice at the rate Rs. 10 per kg.

APL families living in tribal areas of the state are being provided about 35 kg of food grains per family per month at subsidized rates by the state government, including 20 kg Wheat or 18.8 kg Wheat flour and 15 kg Rice.

Allocation of 3608 MT sugar per month is being made under the Public Distribution System (PDS) to all the ration card holders of the state. The scale of distribution is 500 grams per head per month and the retail issue price is Rs 13 per kg for NFSA families, Rs 30 per kg to OTNFSA families and Rs 40 per kg to the OTNFSA tax payers.

To facilitate the consumers for receiving ration from any FPS as per their convenience and choice, firstly Intra-state Ration Card portability was launched on 6th January, 2020 and thereafter on 18th May, 2020 National portability was launched in the state under One Nation, One Ration Card (ONORC) plan. Under this ration card holders can take ration at subsidized rates from FPS of their choice being operated under PDS in any part of the state. Till now, 24457 transactions have taken place under ONORC.

The effective implementation of these welfare schemes started by the double engine governments at Centre and State are proving boon to the people of the state at large.

لولو روز: تین صدیوں میں ملنے والا سب سے بڑا گلابی ہیرا

افریقی ملک انگولا کی ایک کان سے ایک 34 گرام وزن کا گلابی ڈائمنڈ کا ہیرا ملا ہے جس کے بارے میں خیال کیا جاتا ہے کہ یہ 300 سالوں میں دریافت ہونے والا سب سے بڑا ہیرا ہے۔

170 قیراط کا یہ پتھر جسے لولو روز کا نام دیا گیا ہے افریقی ملک انگولا کی ایک کان سے نکلا ہے۔

یہ خیال ظاہر کیا جا رہا ہے کہ یہ گذشتہ تین صدیوں میں دریافت ہونے والا سب سے بڑا گلابی ہیرا ہے۔اس سے پہلے 185 قیراط کا ہیرا دریائے نور تھا جو ایک بڑے پتھر سے نکالا گیا تھا اور اب وہ ایرانی شاہی جواہرات میں شامل ہے۔

لولو روز ٹائپ ٹو اے ڈائمنڈ میں شامل ہے جس کا مطلب ہے اس میں آلودگی یا میل تھوڑی سی ہے یا بالکل بھی نہیں ہے۔

انگولا کے وزیر برائے معدنی ذخائر ڈئامنٹینو ازیویڈو کا کہنا ہے کہ `شاندار گلابی ڈائمنڈ جو کہ لولو سے نکالا گیا ہے، انگولا کو دنیا کے ایک اہم ملک کے طور پر دکھا رہا ہے۔

یہ لولو نامی کان سے نکلنے والا پانچواں بڑا ہیرا ہے۔ یہ آسٹریلیا کی کمپنی لوکا پا ڈائمنڈ کمپنی اور انگولا کی حکومت کا مشترکہ منصوبہ تھا۔

ماضی میں اسی طرح کے ہیرے کروڑوں ڈالرز میں فروخت ہوئیہیں ۔ ان میں سے ایک پنک سٹار تھا جو سنہ 2017 میں ہانگ کانگ میں نیلامی میں 71 ملین میں فروخت ہوا تھا۔

جوہرات کے ایک ماہر کا کہنا ہے کہ `ابھی یہ ناممکن ہے کہ لولو روز کی قیمت کیا ہو گی۔' گلابی ہیرا بہت ہی نایاب ہوتا ہے لیکن اس کی ساخت جو کہ اسے نایاب بناتی ہے وہ اس کے لیے ایک مشکل بھی ہے کیونکہ اس کو کسی شکل میں ڈھالنا آسان کام نہیں ہوتا۔

ہارڈی کا کہنا ہے کہ اس پتھر کو لوگوں کے سامنے لائے جانے کا امکان نہیں کیونکہ ریٹریلرز کے پاس گاہک ہیں جو اس غیر معمولی دریافت شدہ ہیرے کے منتظر ہیں۔

سب سے بڑا گلابی ہیرا دریائے نور انڈیا میں دریافت ہوا تھا جس کے بارے میں ماہرین کا خیال ہے کہ یہ ایک بڑے پتھر سے کاٹا گیا تھا۔

دنیا میں 1905 میں کسی بھی رنگ میں اب تک سامنے آنے والا سب سے بڑا ہیرا سولینان ڈائمنڈ تھا جو جنوبی افریقہ میں ملا تھا۔

3107 قیراط کے وزن کا حامل ہیرا جو کہ آدھ کلو سے زیادہ بنتا ہے اسے 105 ہیروں میں کاٹا گیا تھا۔

اس میں سے سب سے بڑا ہیرا سولینن ون ہے جو کیکٹے ہوئے ہیروں میں دنیا کا سب سے بڑا ہیرا ہے اور یہ برطانوی تاج کے جواہرات کا حصہ ہے۔

سورس : بی بی سی اردو

दिव्या दत्ता होंगी शिमला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल की सेलिब्रिटी गेस्ट

बाख़बर न्यूज
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ शिमला का आठवां संस्करण गेयटी थिएटर में 26 अगस्त से 28 अगस्त तक आयोजित किया जाएगा। इस बार इस फिल्म फेस्टिवल मे एक्ट्रेस दिव्या दत्ता सेलिब्रिटी गेस्ट के तौर पर शिरकत करेंगे और फिल्म फेस्टिवल में उनकी ट्रांसजेंडर पर आधारित फिल्म शीर कोरमा की स्क्रीनिंग उद्घाटन सत्र में की जाएगी जिसकी अध्यक्षता हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर करेंगे। शीर कोरमा फिल्म में मुख्य भूमिका में शबाना आजमी दिव्या दत्ता और स्वरा भास्कर हैं और यह फिल्म ट्रांसजेंडर इश्यूज पर मुखर होकर अपनी राय बनाने में कामयाब होती है। यह जानकारी अन्तर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल ऑफ़ शिमला के फेस्टिवल डायरेक्टर पुष्प राज ठाकुर ने दी। इस बार इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ शिमला में कुल 81 फिल्मों की स्क्रीनिंग की जाएगी जिनमें 27 फिल्में अंतरराष्ट्रीय वर्ग में, 34 भारतीय फिल्में, चार हिमाचल की फिल्में और 15 फिल्में भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित फिल्में दिखाई जाएंगी। इस बार फिल्म फेस्टिवल में कुल 17 देशों की फिल्में दिखाई जाएंगी। जिनमें कनाडा, अमेरिका, लेबनान, स्पेन, ईरान, ताइवान, ब्राज़ील, आईसलैंड, सिंगापुर, मैक्सिको, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, बेल्जियम, डेनमार्क, रशिया इत्यादि देशों की डॉक्यूमेंट्री एनिमेशन फीचर फिल्म और शार्ट फिल्म दिखाई जाएंगी।

डायरेक्टरेट ऑफ फिल्म फेस्टिवल भारत सरकार के सौजन्य से कुल राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित 16 फिल्में प्रदर्शित की जाएंगी जिनमें मुख्य है विजय गिरि बाबा द्वारा निर्देशित गुजराती फीचर फिल्म 21 एम यू टिफिन, शंकर श्री कुमार द्वारा निर्देशित हिंदी फीचर फिल्म अल्फा बीटा गामा, सागर पुराणिक द्वारा निर्देशित कन्नड़ फीचर फिल्म डोलू, आकृति सिंह द्वारा निर्देशित हिंदी फीचर फिल्म एट डाउन तूफान मेल, विवेक राजेंद्र दुबे द्वारा निर्देशित मराठी फिल्म फ्यूनरल, रेवंत कुमार कुरुकुंडा द्वारा निर्देशित तेलुगु फिल्म नाट्यम, गणेश हेगड़े द्वारा निर्देशित कन्नड़ फिल्म नीली हक्की, चेतन भाकुनी द्वारा निर्देशित हिंदी डॉक्यूमेंट्री फिल्म जुगलबंदी, सोहिल वैद्य द्वारा निर्देशित मराठी डॉक्यूमेंट्री फिल्म मरमर ऑफ द जंगल, मणिपुरी निर्देशक हाउबम पवन कुमार की डॉक्यूमेंट्री फिल्म पबंग श्याम, राहुल रावत द्वारा निर्देशित गढ़वाली फिल्म सनपट, लिपिका सिंह देराय द्वारा निर्देशित उड़िया डॉक्यूमेंट्री फिल्म बैकस्टेज, अनंत महादेवन द्वारा निर्देशित हिंदी डॉक्यूमेंट्री फिल्म नाकर, प्राची बरजानिया द्वारा निर्देशित गुजराती डॉक्युमेंट्री फिल्म् द स्पेल ऑफ पर्पल, किशोर कलिता द्वारा निर्देशित असमिया डॉक्यूमेंट्री फिल्म वीरांगना, जैकी आर बाला द्वारा निर्देशित संताली भाषा की फिल्म व्हिच इस तीन दिवसीय फिल्म फेस्टिवल के दौरान आकर्षण का केंद्र होंगी जिन्हें हाल ही में भारत सरकार द्वारा 68 वे राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

इन फिल्मों के अलावा इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ शिमला के कॉम्पिटेटिव सेक्शन के अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय वर्ग में विभिन्न देशों की 27 फिल्मों की स्क्रीनिंग होगी जबकि राष्ट्रीय वर्ग में 35 फिल्म की स्क्रीनिंग होगी यह सभी फिल्में डॉक्यूमेंट्री, शॉर्ट फिल्म, फीचर फिल्म, एनीमेशन, और म्यूजिक वीडियो वर्ग में बेस्ट फिल्म को पुरस्कृत किया जाएगा। इस फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने देश और विदेश से 50 निर्देशक शामिल होंगे। जोकि गेयटी थिएटर में दर्शकों से रूबरू होंगे।

इस बार इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल ऑफ शिमला में नेशनल फिल्म आर्काइव्स आफ इंडिया, पुणे द्वारा एक फिल्म प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा जो कि दर्शकों का फिल्म के बारे में ज्ञान बढ़ाने में सहायक होगी। इस प्रदर्शनी में फिल्म से संबंधित विभिन्न कृतियां प्रदर्शन के लिए रखी जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लिखा देश में विकास और समृद्धि का नया अध्याय : जगत प्रकाश नड्डा

निशा देवी
नाहन . बाख़बर कनेक्ट

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मजबूत नेतृत्व में देश में विकास और समृद्धि का एक नया अध्याय लिखा गया है। 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत नाहन के चौगान में आयोजित विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि आजादी के अमृतकाल के दौरान भारत को विश्व की महाशक्ति बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों के लिए पांच संकल्प तय किए हैं। प्रत्येक देशवासी को इन संकल्पों का अनुसरण करना चाहिए।

जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि सभी नागरिकों को अपने अधिकारों के साथ-साथ देश के प्रति अपने कर्तव्यों का भी विशेष ध्यान रखना चाहिए। देशवासियों के सक्रिय सहयोग से ही भारत वैश्विक महाशक्ति बनने की ओर अग्रसर होगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि उन्हें हिमाचल और केंद्र दोनों सरकारों में स्वास्थ्य मंत्री का दायित्व संभालने का सुअवसर मिला था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के

कुशल नेतृत्व में जिस प्रकार भारत ने नौ माह के भीतर ही दो-दो कोरोना रोधी वैक्सीन तैयार कीं, वह पूरे विश्व में बदलते भारत की एक बहुत बड़ी मिसाल है।

जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि देशवासियों को 200 करोड़ से अधिक मुफ्त टीके उपलब्ध कराने के साथ-साथ दुनिया के 100 से अधिक देशों को भी भारत ने वैक्सीन मुहैया करवाई। इनमें से 20 से अधिक देशों को मुफ्त टीके उपलब्ध करवाए गए। हिमाचल के सभी लोगों को कोरोना रोधी वैक्सीन की दोनों खुराक देने में देश का पहला राज्य बनने के लिए प्रदेश सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री जय राम ठाकुर के कुशल नेतृत्व के कारण यह संभव हुआ है।

उन्होंने कहा कि प्रदेशवासी अपने क्षेत्र, राज्य और देश को सही दिशा की ओर ले जाने तथा चहुमुखी विकास सुनिश्चित करने के लिए सही और गलत नेतृत्व के बीच अंतर को समझने का प्रयास करें। जगत प्रकाश नड्डा ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान 9वें वित्त आयोग ने हिमाचल का विशेष श्रेणी का दर्जा समाप्त कर दिया था। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी द्वारा हिमाचल को दिए गए विशेष औद्योगिक पैकेज को भी केंद्र की तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने वापस ले लिया था। अब हिमाचल के लिए विकासात्मक परियोजनाओं में केंद्र-राज्य के 90:10 के अनुपात को बहाल करके नरेन्द्र मोदी ने बहुत बड़ी सौगात दी है।

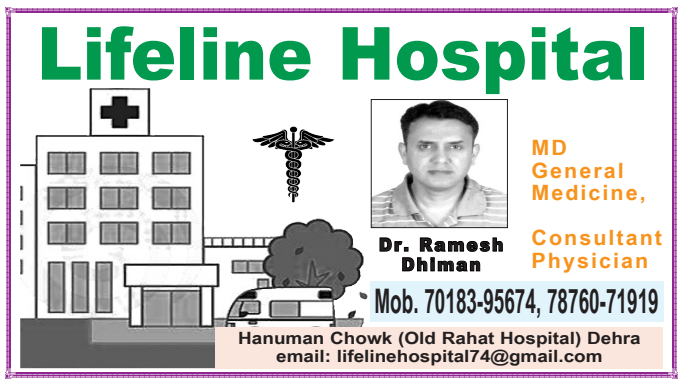

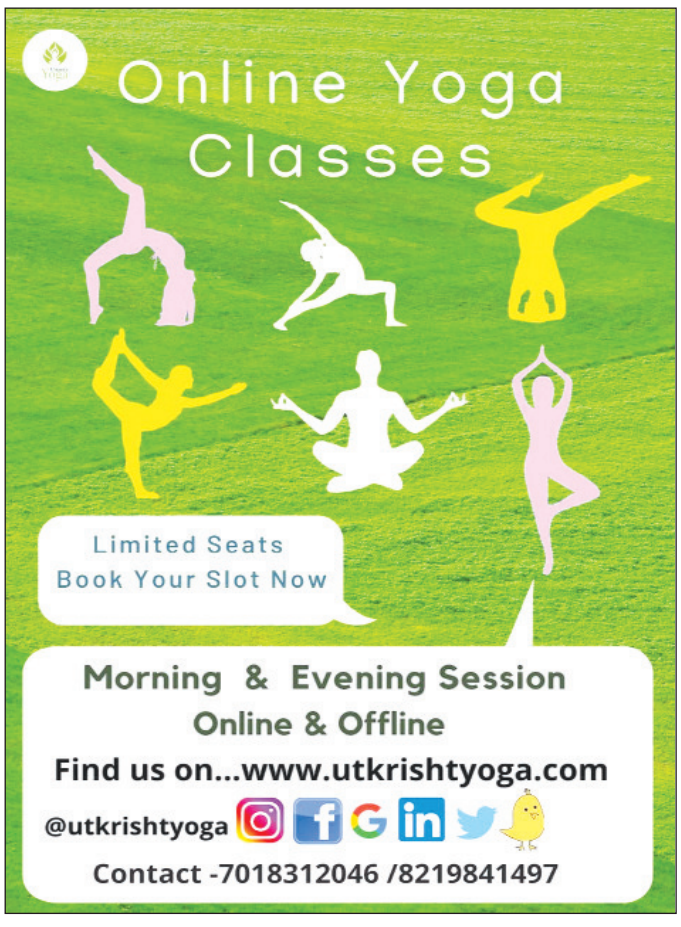

शिक्षा पर व्यय हो रहे 8412 करोड़ : सरवीण चौधरी

देवेन्द्र कश्यप
धर्मशाला . बाख़बर कनेक्ट

प्रदेश में शिक्षा सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया है और चालू वित्त वर्ष में शिक्षा क्षेत्र में 8412 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। यह जानकारी समाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री सरवीण चौधरी ने राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला शाहपुर के वार्षिकोत्सव, स्कूल में 90 लाख से बनने वाले प्रशासनिक भवन का उदघाटन तथा दुर्गेला में राशन डिपो का शुभारंभ के अवसर पर दी। उन्होंने इस अवसर पर विद्यालय के मेधावियों को पुरस्कृत भी किया।

सरवीण ने कहा कि प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाने के प्रयासों को आगे बढ़ाते हुए 6 सूत्रीय कार्य योजना पर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 का क्रियान्वयन, आई टी के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, मेधा प्रोत्साहन, समाज एवं अभिभावकों की

भागीदारी, पर्यावरण एवं प्रकृति से परिचय तथा रोजगार एवं परामर्श है। उन्होंने कहा कि छात्रों को शिक्षित करने के साथ-साथ कुशल बनाने के लिये भी सरकार प्रयासरत है। शिक्षा के माध्यम से ही हम व्यक्तित्व मानसिक कुशलता नैतिक और शारीरिक शक्ति का विकास करना सीखते हैं। बिना उचित शिक्षा के एक व्यक्ति अपने जीवन के सभी शैक्षिक लाभों से वंचित रह जाता है शिक्षा निजी और पेशेवर जीवन में सफलता की इकलौती कुंजी है। शिक्षा हमें विभिन्न प्रकार का ज्ञान और कौशल प्रदान करती है।

सरवीण चौधरी ने कहा किआज के समाज में शिक्षा का महत्व कार्य काफी बढ़ चुका है। शिक्षा के उपयोग तो उसे नई दिशा देने की आवश्यकता है। शिक्षा इस प्रकार की होनी चाहिए कि एक व्यक्ति अपने परिवेश से परिचित हो सकें। शिक्षा हम सभी के उज्जवल भविष्य के लिए एक बहुत ही आवश्यक साधन है। हम अपने जीवन में शिक्षा के इस साधन का उपयोग करके कुछ भी प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षा का उच्च स्तर लोगों की सामाजिक और पारिवारिक सम्मान तथा एक अलग पहचान बनाने में मदद करता है।

आईटीआई चौड़ा मैदान में नारा लेखन, निबन्ध लेखन प्रतियोगिता आयोजित

बाख़बर न्यूज
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शिमला आदित्य नेगी द्वारा औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान चौड़ा मैदान में 63-शिमला विधानसभा क्षेत्र में स्वीप गतिविधियों के अन्तर्गत चलाए जा रहे उत्सव कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं एक सशक्त माध्यम है जो अपने घर आस पड़ोस तथा अन्य स्थानों पर स्वीप गतिविधियों की जानकारी देकर लोगों को जागरूक करने में अहम भूमिका निभा सकते है। उन्होंने कहा कि स्वीप गतिविधियों के द्वारा विभिन्न स्कूलों एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में नारा लेखन व निबन्ध लेखन प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है जिसमें छात्र छात्राऐं बढ़चढ़ कर भाग ले रहे है।

डंगे गिरने और भूस्खलन से करोड़ों की क्षति रोकने में सक्षम है खस के पौधे : डॉ. राकेश पंडित

ललित कश्यप
शिमला . बाख़बर कनेक्ट

प्रदेश में बरसात के मौसम में डंगे गिरने और भूस्खलन से करोड़ों का नुकसान होता है। ऐसे में सरकार अगर खस नाम की घास के पौधे को सड़कों के किनारे और भूस्खलन के लिए संवेदनशील माने जाने वाले स्थानों पर लगाया जाये तो इससे भूस्खलन रोकने में शत प्रतिशत कामयाबी पायी जा सकती है। यह विचार विश्व संवाद केंद्र शिमला द्वारा आयोजित पौधारोपण में केंद्रीय आयुष मंत्रालय में सलाहकार सदस्य डॉ. राकेश पंडित ने व्यक्त किये।

विश्व संवाद केंद्र शिमला ने ग्राम पंचायत पगोग के बड़श में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. राकेश पंडित और कार्यक्रम अध्यक्ष में रूप में हिमाचल प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन से सेवानिवृत रणवीर सिंह झाल्टा उपस्थित रहे। जबकि विशेष अतिथि के रूप में स्थानीय पंचायत बड़श की

प्रधान कृष्णा ठाकुर ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज की। इस कार्यक्रम में चंडीगढ़ से पर्यावरण विशेषज्ञ और हिमाचल प्रांत पर्यावरण गतिविधि में सह संयोजक पवन कुमार विशेष रूप से उपस्थित हुए। बड़श के स्थानीय पौधारिक्त स्थानों पर देवदार, बान, कैल, जंगली अनार और चिनार के पौधे लगाये गये।

कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. राकेश पंडित ने बताया कि देशभर में प्राकृतिक औषधियों और जड़ी-बूटियों पर अनेक प्रकार रिसर्च हो रही है। जिससे पर्यावरण की अनेक समस्याओं से निजात मिल सकती है। डॉ. राकेश पंडित ने कोरोना के बारे में एक महत्वपूर्ण जानकारी देते हुए बताया कि भारत में पर्यावरण प्रदूषण के कारण संतुलन बिगड़ गया है जिस कारण मनुष्य के लिए उपयोगी वातावरण मित्र जीवाणु समाप्त हो गये और कोरोना के विषाणुओं के फैलने में मद्द मिली।

पंडित ने बताया कि उन्होंने सरकार को खस के पौधों के उपयोग के बारे में लिखा है ताकि प्रतिवर्ष भूस्खलन से होने वाली जान और माल की क्षति को कम किया जाये। उन्होंने ग्लोबल वॉर्मिंग के खतरों से निपटने में आम लोगों की पर्यावरण को लेकर बढ़ी जागरूकता पर प्रसन्नता व्यक्त की। कार्यक्रम अध्यक्ष रणवीर झाल्टा ने पौधरोपण कार्यक्रमों को मानवता और विनम्रता उत्पन्न करने वाला बताया।

स्थानीय पंचायत प्रधान कृष्णा ठाकुर ने पौधारोपण करने पर प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि ऐसे कार्यक्रमों में सभी लोगों को बढ़-चढ़ कर भाग लेना चाहिए। विश्व संवाद केंद्र सचिव प्रकाश भारद्वाज ने सभी विशिष्ठ अतिथियों और उपस्थित जनसमुदाय का धन्यवाद किया।

पौधारोपण कार्यक्रम में विश्व केंद्र प्रमुख दलेल सिंह ठाकुर, आरएसएस प्रांत प्रचार प्रमुख महीधर प्रसाद, प्रांत सहप्रचार प्रमुख मोतीलाल गौतम, प्रैस क्लब शिमला के अध्यक्ष अनिल हैडली, दैनिक जागरण राज्य ब्यूरो प्रमुख प्रकाश भारद्वाज, राजेंद्र शर्मा, अधिवक्ता मेहरचंद और रविंद्र कुमार इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक **हेमराज हरनोट** द्वारा वायलट हिल, जाखू, शिमला-1 से प्रकाशित एवं **दुर्गा पेपर कन्वर्टरज़**, कांशी भवन, तारादेवी, शिमला-10, जिला शिमला (हि.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक : **हेमराज हरनोट।**
बाख़बर कनेक्ट से सम्बन्धित सभी मामलों का निपटारा न्यायिक अधिकार क्षेत्र शिमला में ही होगा। फोन नं. 094185-88654, email: bakhabarconnect@gmail.com, Post Box No. 86, Shimla-1, H.P.